ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–२२
दिनांक- शुक्रवार, २५ मार्च, २०२२

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.3 एवं 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 58 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 23.5 एवं दोपहर में 40.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
## (26–30 मार्च, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 26–30 मार्च, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 19 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- मक्का तथा सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवष्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल में कीट एवं रोग-व्याधि से बचाव हेतु नियमित रुप से फसल की देख-रेख करें।
- रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे किड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर १० अप्रैल से पहले संपन्न करें। खेत की जुताई में २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम सल्फर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१६, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३०X१० से०मी० रखें।
- लीची के पेड़ में फल बेधक कीट के शिशु जो उजले रंग के होते हैं। यह फलों के डंठल के पास से फलो में प्रवेश कर गुद्दे को खाते हैं जिससे प्रभावित फल खाने लायक नहीं रहता। इस कीट से वचाव हेतु लीची के पत्तियों एवं टहनियों पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० का १० मि०ली० या कार्बारिल ५० प्रतिशत घुलनशील पॉवडर का २० ग्राम दवा को १० लीटर पानी में घोलकर अप्रैल माह में १५ दिनों के अन्तराल पर प्रति पेड़ की दर से दो छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- भिण्डी में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिण्डी के शीर्ष प्ररोह, पुष्प एवं फल को नुकसान पहुचाती है। इस कीट से बचाव हेतु सर्वप्रथम क्षतिग्रस्त पौधे के भागों व अक्रान्त फल की तुराई कर खेत से अलग कर दें एवं इसके बाद मैलाथियान ५० ई०सी० दवा का १ मि० ली० या डाइमेथोएट ३० ई०सी० का १.५ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार के पंखहीन तथा शरीर पर सफेद दही के रंग का पॉउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुतो की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट ३० ई०सी०दवा का १.० मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रुप से आसमान साफ रहने पर छिडकाव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की छोटे-छोटे पौधों में लाल भृंग कीट की निगरानी करें। पौधों की प्रारंभिक अवस्था में इस कीट से फसल को काफी नुकसान होता है। गाय के गोबर की राख में थोड़ा किरासन मिलाकर पौधों पर सुबह में भुरकाव करने से इस कीट का आक्रमण कम हो जाता है। अधिक नुकसान होने पर क्लोरोपायरीफास २ प्रतिशत धूल दवा का २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पौधों की जड़ों के पास मिट्टी में मिला देने से इस कीट शिशु नष्ट हो जातें है। पत्तियों पर डाइक्लोरवॉस ७६ ई०सी० का १ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की बुआई अविलंब संपन्न करें। बिगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर मैलाथियान ५० ई०सी० या डाइमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः ३४.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.५ डिग्री सेल्सियस अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः १६.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.० डिग्री सेल्सियस अधिक |

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी